वित्तीय विकल्प	इससे क्या होता है	टिप्पणी
बैंक जमा	बचत की धारा बनती है	मुद्रास्फीति का ध्यान नहीं रखता।
रेकरिंग (आवर्ती) जमा	पूर्व निर्धारित ब्याज दर पर एक नियमित बचत होती है	समय के साथ एक सेविंग कॉर्पस बना सकता है
पीपीएफ	दीर्घ अवधि की बचत के लिए निश्चित ब्याज दर वाला बचत इंस्ट्रूमेंट	टैक्स के मामले में कार्यकुशल है और परिपक्वता पर कर मुक्त आय तैयार करने के लिए उपयोगी हो सकता है।
म्युचुअल फंड	इक्विटी और डेट में निवेश	समय के साथ ज्यादा लाभ की संभावना रहता है
सोने में निवेश	सोने का रिजर्व तैयार करता है	बच्चे के विवाह के लिए बचत की दृष्टि से उपयोगी
जीवन बीमा करने वालों के चाइल्ड प्लान	बचत, निवेश और सुरक्षा	निवेश में लाभ के साथ मन की गारंटी सुनिश्चित करता है।

सिर्फ आपके बच्चे के भविष्य के लिए बचत होती है बल्कि इससे उस स्थिति में भी बच्चे का ख्याल रखना सुनिश्चित होता है जब आप अपने बच्चे की वित्तीय आवश्यकता पूरी करने के लिए इस दुनिया में न रहें। बीमा योजना से आप अपने बच्चे के लिए आर्थिक रूप से निर्भर किसी अन्य की तरह, बेहद आवश्यक एक्सपेंस हेड बना देंगे। भविष्य में आर्थिक रूप से सक्षम होने के लिए बच्चे को जब शिक्षा की आवश्यकता होती है तो यह खासतौर से अच्छी तरह काम करता है।

क्यों जरूरी है बीमा

बीमा कंपनियों का चाइल्ड प्लान बच्चे के भविष्य के लिए योजना बनाने के लिहाज से सर्वश्रेष्ठ है। ये योजनाएं आपके बच्चे के लिए एक कॉर्पस बनाते हुए आपके जीवन का बीमा करने की बुनियादी सोच पर काम करती हैं। यह कॉर्पस बच्चे के जीवन के प्रमुख वर्षों पर रीडीम कराया जा सकता है जैसे इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिले के समय, कॉलेज की पढ़ाई पूरी होने के समय आदि। इस प्लान का सबसे बड़ा फायदा अभिभावक को दिया जाने वाला लाइफकवर है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि बच्चे को वायदे की उसकी उम्र में धनराशि मिल जाए।

जब करें बीमा योजना

बाल बीमा योजना का चुनाव करते समय यह सोच कर शुरुआत कीजिए कि आपको अपने बच्चे की शिक्षा के लिए कितने पैसे की आवश्यकता होगी। आप इसमें शादी का खर्च या कारोबार शुरू करने का खर्च या फिर कोई निश्चित धनराशि यू ही जोड़ सकते हैं जिसका उपयोग आपका बच्चा पढ़ाई पूरी करने के बाद कर सकेगा। अभी की इस राशि में मुद्रास्फीति का घटक भी जोड़ लीजिए। इस तरह, आप जान सकेंगे कि आपको कितने पैसे की आवश्यकता होगी। अब आप एक ऐसे प्लान का चुनाव कीजिए जिसमें आपको जरूरत के निश्चित समय पर यह राशि मिल जाए।

चाइल्ड इंश्योरेंस प्लान

चाइल्ड इंश्योरेंस प्लान बच्चे के अभिभावक के लिए एक निश्चित अवधि तक कवर मुहैया कराता है ताकि अभिभावक के साथ किसी अप्रत्याशित की स्थिति में बच्चे का भविष्य मुश्किल में न पड़े। अगर पॉलिसी की अवधि में अभिभावक का निधन हो जाता है तो पॉलिसी से यह सुनिश्चित होता है बच्चे को ऐश्योर्ड राशि बोनस, गारंटीड ऐडिशन पॉलिसी के साथ देय किसी अन्य लाभ के साथ मिल जाए। आमतौर पर बच्चों की पॉलिसी की गणना इस हिसाब से की जाती है कि वह बच्चे के जीवन में किसी खास मौके पर मैच्योर हो। जैसे स्कूल की पढ़ाई पूरी होने के समय, या कॉलेज की पढ़ाई पूरी होने के मौके पर। यह राशि अगर अभिभावक के जीवित होने पर मिले तो ऐसे कॉर्पस की तरह है जो बच्चे की शिक्षा से संबंधित आवश्यक खर्चों का ख्याल रखता है।

बच्चे के जीवन में भिन्न चरण	उम्र (वर्ष)
जन्म से पहले और स्कूल से पहले	(0-3)
स्कूल पहला चरण	(4-13)
स्कूल दूसरा चरण जब शैक्षिक फोकस से भविष्य के खर्च का अंदाजा लगता है	(14-17)
कॉलेज और उच्च शिक्षा	(18-22 और आगे)
विवाह	21 साल के बाद कभी भी

वित्तीय योजना

कोई जीवन बीमा उत्पाद खरीदने से पहले यह महत्वपूर्ण है कि आप अपनी वित्तीय योजना/आचरण की समीक्षा करें। वित्तीय समीक्षा से आपको निवेश या बीमा के निर्णय से पहले अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को स्पष्ट करने का मौका मिलता है और आपको अपनी प्राथमिकताएं तथा जोखिम लेने की अपनी क्षमता को समझने में सहायता मिलती है। इस मौके पर यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने भरोसेमंद वित्तीय संस्थान से मिले जो आपको यह समीक्षा सर्वश्रेष्ठ ढंग से करने में सहायता कर सकता है। बैंक खाते से जीवन बीमा खरीदने से आपको अपने भुगतान का प्रबंध करने और अपने निवेश तथा बीमा आवश्यकताओं का ट्रैक रखने में सुविधा होती है। अपनी वित्तीय आवश्यकताओं का आकलन करने और आपके लिए काम करने वाला एक प्लान बनाने के लिए अपने भरोसेमंद बैंक से बात कीजिए।

(साभार : केनरा एचएसबीसी, ओबीसी लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड के डायरेक्टर मैरियो पेंरेज से बातचीत पर आधारित।)

■ रश्मि द्विवेदी